[Total No. of Printed Pages : 8] अनुक्रमांक.....

# MASL - 204

## नाटक एवं नाटिका

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है, जो तीन (03) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड -क )

(दीर्घ उत्तरीय वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2 x19=38)

1. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार चारुदत्त एवं वसन्तसेना के चरित्र चित्रण का वर्णन कीजिए।

2. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) समरव्यसनी प्रमादशून्यः ककुदो वेदविदां तपोधनश्च।
परवारणबाहुयुद्धलुब्धः क्षितिपालः किल शूद्रको बभूव।।

(ख) सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते
घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।

(ग) प्रविश गृहमिति प्रतोद्यमाना न चलति भाग्यकृतां दशामवलोक्य।
पुरुषपरिचयेन च प्रगल्भं न वदति यद्यपि भाषते बहूनि।।

(घ) सत्कारधनः खलु सज्जनः कस्य न भवति चलाचलं धनम्।
यः पूजयितुमपि जानाति स पूजाविशेषमपि जानाति।

4. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) शिखा प्रदीपस्य सुवर्णपिञ्जरा
महीतले सन्धिमुखेन निर्गता।
विभाति पर्यन्ततमः समावृता
सुवर्णरेखेव कषे निवेशिता।।

(ख) मदनमपि गुणैर्विशेषयन्ती

रतिरिव मूर्तिमती विभाति येयम्।

मम हृदयमनङ्गवह्नितप्तं

भृशमिव चन्दनशीतलं करोति।।

(ग) पवन-चपल-वेगः स्थूलधारा-शरौघः

स्तनित-पटह-नादः स्पष्टविद्युत्पताकः।

हरति करसमूहं खे शशाङ्कस्य मेघो

नृप इव पुरमध्ये मन्दवीर्यस्य शत्रोः।।

(घ) चन्दनश्चन्द्रशीलाढ्यो दैवादद्य सुहृन्मम।

चन्दनं भोः। स्मरिष्यामि सिद्धादेशस्तथा यदि।।

## ( खण्ड-ख )

### ( लघु उत्तरीय वाले प्रश्न )

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4 x 8=32)

1. 'मृच्छकटिकम्' के तृतीय अंक के कथा का सारांश लिखिए।

2. 'मृच्छकटिकम्' के स्त्रीपात्रों का वर्णन कीजिए।

3. 'मृच्छकटिकम्' में वर्णित रस को अभिव्यक्त कीजिए।

4. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार सामाजिक स्थिति का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. 'रत्नावली' के अनुसार यौगन्धरायण का चरित्र चित्रण स्पष्ट कीजिए।

6. 'रत्नावली' के रचयिता का व्यक्तित्व वर्णन कीजिए।

7. 'रत्नावली' के द्वितीय अंक का कथासार लिखिए।

8. 'मृच्छकटिकम्' नाटक एवं 'रत्नावली' नाटिका में राजा के उदात्त भावों का वर्णन कीजिए।

## ( खण्ड-ग )

## ( वस्तुनिष्ठ प्रश्न )

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10 x 1=10)

1. शूद्रक ने कौन से नाटक की रचना की हैं-

(अ) मालविकाग्निमित्रम्

(ब) मृच्छकटिकम्

(स) वेणीसंहारम्।

(द) बालचरितम्।

2. 'मृच्छकटिकम्' का कौन सा अंक 'मंदनिका-शर्विलको नाम का है-

(अ) 03

(ब) 04

(स) 05

(द) 06

3. शुद्रक द्वारा लिखित नाटक में कितने अंक हैं-

(अ) 07

(ब) 08

(स) 09

(द) 10

4. 'मृच्छकटिकम्' नाटक में रोहसेन है-

(अ) चारुदत्त का पुत्र

(ब) शकार का सहचर

(स) चारुदत्त का दास

(द) वेश्यापुत्र।

5. चारुदत्त के घर से ब्राह्मण किसने मिलने जाता है-

(अ) विट

(ब) वसन्तसेना

(स) चन्दनक

(द) रदनिका

6. 'मदनिका' किसकी सखी है-

(अ) वसन्तसेना

(ब) वासवदत्ता

(स) सागरिका

(द) रदनिका

7. चारुदत्त ने वीणा के लिए किस अंक में कहा है- 'उत्कण्ठितस्य हृदयानुगुणा वयस्या' -

(अ) 02

(ब) 03

(स) 04

(द) 05

8. 'रत्नावली' नाटिका में राजा वत्सेश्वर का मन्त्री कौन है-

(अ) यौगन्धरायण

(ब) वत्सेश्वर

(स) वसन्तक

(द) चन्दनक

9. किसका नाम रत्नावली है-

(अ) वासवदत्ता

(ब) मदनिका

(स) निपुणिका

(द) सागरिका।

10. 'रत्नावली' के किस अंक में राजा ने कहा है- 'अनङ्गोऽयमनङ्गत्वमद्य निन्दिष्यति ध्रुवम्'।

(अ) 01

(ब) 02

(स) 03

(द) 04

*****